Magazine Clips
July 19, 2016

OUT LOOK ND 18 JULY 2016 P-50

भारत के शीर्ष प्रोफेशनल कॉलेज

रैंकिंग

शीर्ष 100 इंजीनियरिंग कॉलेज

रैंक 2016	रैंक 2015	संस्थान का नाम	नि. निजी स. सरकारी	शहर	चयन प्रक्रिया (227)	शैक्षणिक उत्कृष्टता (214)	व्यक्तित्व विकास एवं औद्योगिक संपर्क (173)	आधारभूत संरचना (206)	रोजगार (180)	कुल अंक (1,000)
1	1	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी	स	दिल्ली	212.0	196.1	163.0	193.7	174.0	938.8
2	2	आईआईटी	स	मुंबई	210.0	188.1	160.0	199.6	161.7	919.3
3	3	आईआईटी	स	खड़गपुर	214.0	192.2	157.0	196.5	159.3	919.0
4	4	आईआईटी, मद्रास	स	चेन्नई	208.0	193.1	156.0	196.6	159.0	912.8
5	5	आईआईटी	स	कानपुर	208.0	196.4	154.0	191.0	161.5	910.9
6	7	बिट्स	नि	पिलानी	184.0	181.6	156.6	184.6	165.7	872.4
7	8	आईआईटी *	स	गुवाहाटी	179.1	185.8	145.4	181.2	147.2	838.7
8	9	एनआईटी, त्रिची*	स	तिरुचिरापल्ली	182.1	171.5	148.2	160.3	142.0	804.1
9	10	एनआईटी सूरतकल	स	मंगलोर	176.9	169.7	134.7	176.2	146.1	803.5
10	11	एनआईटी *	स	वारंगल	185.0	158.4	134.5	158.1	128.2	764.2
11	Np	कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुइंडी	नि	चेन्नई	207.8	162.5	132.0	131.9	126.6	760.8
12	14	एनएसआईटी*	स	दिल्ली	151.0	154.4	134.9	163.5	154.4	758.2
13	19	डीटीयू	स	दिल्ली	145.0	163.6	132.0	140.4	153.0	733.9
14	15	कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	स	पुणे	164.9	150.3	130.4	148.5	139.4	733.6
15	13	आईआईआईटी	नि	हैदराबाद	149.0	153.8	129.8	155.3	143.8	731.6
16	16	पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी	नि	कोयंबटूर	143.9	147.9	133.4	164.4	125.3	715.0
17	17	आईआईआईटी	स	इलाहाबाद	147.5	152.9	117.6	155.1	139.5	712.6
18	21	एमआईटी	नि	मणिपाल	163.0	158.5	126.3	148.9	115.0	711.7
19	32	वीआईटी यूनिवर्सिटी	नि	वेल्लोर	137.0	143.8	147.0	152.0	131.0	710.8
20	20	बीआईटी मेसरा	नि	रांची	165.0	151.8	116.2	154.8	116.8	704.6
21	Np	आईएसएम	स	धनबाद	159.0	178.8	135.7	112.5	116.0	702.1
22	Np	यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग	नि	चंडीगढ़	142.0	142.8	137.8	154.7	121.3	698.5
23	25	थापर यूनिवर्सिटी	नि	पटियाला	142.0	148.4	130.7	147.5	118.9	687.5
24	27	वीएनआईटी	स	नागपुर	145.0	151.2	109.9	168.5	108.7	683.3
25	28	एनआईई	स	मैसूर	142.4	144.9	125.0	147.9	107.6	667.7
26	26	बीआईटी सिंदरी	स	धनबाद	169.0	136.6	105.3	147.7	107.4	666.0
27	24	एनआईटी*	स	दुर्गापुर	162.0	163.7	106.0	126.3	102.9	660.9
28	30	एसजीएस इंस्टी. ऑफ टेक्नोलॉजी	स	इंदौर	145.9	136.5	104.4	157.5	112.6	656.8
29	29	इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, निरमा यूनि.	नि	अहमदाबाद	143.7	138.9	108.9	138.1	100.5	630.0
30	31	यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	स	हैदराबाद	112.0	129.6	113.5	152.5	120.7	628.4
31	33	चैतन्य भारती इंस्टी. ऑफ टेक्नो.	नि	हैदराबाद	123.0	118.0	118.0	155.8	104.5	619.2
32	36	डीजे सांघवी कॉलेज ऑफ इंजी.	नि	मुंबई	115.0	125.7	105.6	123.3	127.2	596.8
33	Np	एसवीकेएम एनएमआईएमएस	नि	मुंबई	117.0	128.8	124.3	122.7	103.5	596.3
34	Np	एसएसएन इंजीनियरिंग कॉलेज	नि	चेन्नई	117.0	118.8	121.1	127.4	111.6	595.9
35	34	गुरुनानक देव इंजीनियरिंग कॉलेज	स	लुधियाना	130.0	113.8	121.2	138.8	91.0	594.9
36	41	गवर्नमेंट मॉडल इंजीनियरिंग कॉलेज	स	कोच्चि	124.3	116.7	121.8	125.1	106.7	594.6
37	42	गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	स	अमरावती	127.6	103.1	113.9	145.2	104.7	594.4
38	38	त्यागराजार कॉलेज ऑफ इंजी.	नि	मदुरै	131.6	119.3	112.1	127.9	102.7	593.6
39	37	एमआईटी कॉलेज ऑफ इंजी.	नि	पुणे	117.1	116.0	104.7	134.7	113.5	586.0
40	40	बन्नारी अम्मान इंस्टी. ऑफ टेक्नो.	नि	इरोड	120.0	129.8	120.3	150.6	63.8	584.5
41	49	भारती विद्यापीठ यूनि. कॉलेज ऑफ इंजी.	नि	पुणे	106.0	130.8	82.4	145.7	117.4	582.3
42	44	शंकरा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	नि	भिलाई	122.0	129.2	100.4	133.5	91.1	576.1
43	45	बीएमएस इंस्टी. ऑफ टेक्नोलॉजी	नि	बेंगलुरु	128.3	120.2	95.1	142.3	89.4	575.2
44	48	पीईएस यूनिवर्सिटी	नि	बेंगलुरु	122.0	112.8	108.1	133.4	96.6	572.9
45	50	बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	नि	बेंगलुरु	124.2	124.8	89.1	130.5	103.8	572.4
46	46	केएलई डॉ. एमएस शेषगिरि कॉलेज ऑफ इंजी.	नि	बेलगाम	121.7	116.7	86.0	153.8	89.2	567.4
47	57	जेएनएनसीई	नि	शिमोगा	127.1	127.0	81.8	148.7	81.8	566.4
48	Np	सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी	नि	पुणे	120.3	131.2	90.1	127.3	97.3	566.2
49	Np	स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	नि	नोएडा	127.0	128.0	106.0	107.9	96.8	565.7
50	47	केएल यूनिवर्सिटी	नि	गुंटूर	116.0	129.4	105.5	140.8	73.3	564.9

* उन्हीं संस्थानों को रैंकिंग दिया गया है जिन्होंने पूर्ण वस्तुनिष्ठ आंकड़े समय पर उपलब्ध कराए। आईआईटी गुवाहाटी, एनआईटी तिरुचिरापल्ली, एनआईटी वारंगल, एनएसआईटी दिल्ली और एनआईटी दुर्गापुर जैसे संस्थान जो इसमें शामिल होना चाहते थे मगर समय पर आंकड़े नहीं दे सके उन्हें 2015 के स्कोर पर रैंकिंग दिया गया है।

रैंक 2016	रैंक 2015	संस्थान का नाम	नि. / स.	शहर	दाखिला प्रक्रिया (227)	[illegible] (214)	[illegible] विकास एवं औद्योगिक (113)	[illegible] (166)	रोजगार (280)	कुल अंक (1,000)
51	66	[illegible]	नि	देहरादून	117.0	119.7	92.3	135.0	100.9	564.8
52	52	[illegible]	नि	[illegible]	111.7	127.9	99.7	134.5	90.9	564.6
53	54	[illegible]	नि	नोएडा	126.2	110.6	97.3	133.2	96.1	563.4
54	53	[illegible]	नि	चेन्नई	114.4	129.1	91.0	138.5	89.6	562.5
55	Np	[illegible]	स	मैसूर	102.0	123.9	99.0	134.9	102.2	561.9
56	Np	[illegible]	नि	अहमदाबाद	116.0	124.3	107.1	136.1	77.8	561.4
57	59	[illegible]	नि	पुणे	122.0	126.4	90.1	124.8	96.4	559.6
58	61	[illegible]	नि	नागपुर	115.4	123.9	101.0	129.8	89.0	559.1
59	58	[illegible]	नि	[illegible]	129.0	128.7	106.7	110.6	83.8	558.7
60	60	[illegible]	नि	बेंगलुरु	123.5	104.6	103.6	125.8	101.1	558.5
61	67	[illegible]	नि	बेंगलुरु	122.5	111.8	80.3	156.0	87.7	558.3
62	62	[illegible]	नि	पुणे	107.0	111.6	98.3	140.7	100.3	557.8
63	Np	[illegible]	नि	[illegible]	115.0	113.0	103.3	135.9	89.7	556.8
64	Np	[illegible]	नि	गुड़गांव	110.9	132.6	77.6	129.8	105.5	556.6
65	55	[illegible]	नि	हैदराबाद	117.9	121.1	96.9	128.3	92.3	556.4
66	64	[illegible]	नि	[illegible]	110.9	121.2	92.8	140.0	91.2	556.1
67	68	[illegible]	स	नई दिल्ली	109.0	114.7	96.9	149.2	85.6	555.5
68	63	[illegible]	नि	[illegible]	105.9	116.4	92.2	137.3	103.6	555.4
69	70	[illegible]	नि	भोपाल	104.0	148.9	91.0	140.2	70.5	554.6
70	81	[illegible]	नि	सिक्किम	112.9	107.4	94.7	138.7	100.9	553.6
71	75	[illegible]	नि	बेंगलुरु	122.0	117.4	95.0	128.4	91.2	553.9
72	76	[illegible]	नि	नोएडा	115.6	109.4	95.7	123.4	108.0	552.0
73	73	[illegible]	नि	औरंगाबाद	120.0	107.3	98.6	131.0	94.9	551.8
74	72	[illegible]	नि	पुणे	121.0	109.7	107.5	107.3	106.3	551.8
75	71	[illegible]	नि	गाजियाबाद	110.0	111.6	102.8	125.2	101.3	551.0
76	Np	[illegible]	नि	पश्चिम बंगाल	126.1	126.4	79.7	100.5	115.8	548.4
77	78	[illegible]	नि	बेंगलुरु	110.0	109.1	100.3	133.7	95.2	548.3
78	77	[illegible]	नि	नोएडा	105.0	109.4	96.6	133.2	104.0	548.1
79	74	[illegible]	नि	जयपुर	105.5	107.7	112.8	119.1	102.7	547.8
80	Np	[illegible]	नि	देहरादून	115.6	118.6	70.0	145.6	97.2	547.0
81	79	[illegible]	स	[illegible]	111.8	104.7	105.7	146.1	78.7	546.9
82	Np	[illegible]	नि	[illegible]	99.0	100.9	99.4	132.8	112.8	545.0
83	Np	[illegible]	नि	इंदौर	104.0	114.7	118.3	124.9	83.1	545.0
84	Np	[illegible]	नि	सलेम	103.0	119.6	119.8	111.5	89.6	543.5
85	Np	[illegible]	नि	[illegible]	114.2	103.2	97.2	125.0	99.5	539.0
86	Np	[illegible]	नि	चेन्नई	105.3	111.8	101.4	136.4	83.6	538.4
87	80	[illegible]	नि	पानीपत	112.7	104.6	81.8	140.7	94.9	534.5
88	85	[illegible]	नि	चंडीगढ़	110.1	121.9	104.9	136.0	58.9	531.8
89	Np	[illegible]	नि	चेन्नई	132.4	116.6	112.6	113.2	56.3	531.1
90	Np	[illegible]	नि	हैदराबाद	110.1	121.6	84.7	132.4	80.4	529.3
91	87	[illegible]	नि	[illegible]	107.0	102.0	83.2	146.6	90.3	529.1
92	Np	[illegible]	नि	[illegible]	85.0	119.2	84.6	130.8	95.1	514.7
93	94	[illegible]	नि	सिकंदराबाद	108.7	101.2	111.7	122.3	70.7	514.7
94	88	[illegible]	नि	पुणे	119.0	101.8	86.8	111.6	95.1	514.2
95	90	[illegible]	नि	भोपाल	100.0	116.7	87.2	134.3	75.6	513.8
96	92	[illegible]	नि	पुणे	105.0	100.1	103.4	108.7	95.5	512.6
97	Np	[illegible]	नि	जयपुर	80.0	117.1	112.1	146.1	56.8	512.0
98	89	[illegible]	नि	भिलाई	97.5	109.8	86.0	126.0	92.7	511.9
99	84	[illegible]	नि	ग्वालियर	110.3	100.9	107.0	136.9	56.6	511.6
100	93	[illegible]	नि	चेन्नई	99.8	106.3	119.0	126.7	58.1	509.8

[illegible]

शीर्ष 10 सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में निवेश पर रिटर्न

क्रम	संस्थान का नाम	शहर	औसत वेतन (लाख में)	फीस (लाख में)	निवेश पर रिटर्न
1	बीआईटी सिंदरी	धनबाद	3.9	0.4	10.1
2	आईआईटी	खड़गपुर	12.0	2.0	6.0
3	नेताजी सुभाष इंस्टी. ऑफ टेक्नोलॉजी	दिल्ली	10.0	1.7	5.8
4	आईआईटी, मुंबई	मुंबई	11.0	2.0	5.5
5	आईआईटी	कानपुर	10.0	2.0	5.0
6	एनआईटी त्रिचि	तिरुचिरापल्ली	6.6	1.4	4.7
7	वीएनआईटी	नागपुर	5.7	1.4	4.1
8	आईआईटी	गुवाहाटी	11.0	3.6	3.0
9	आईआईटी, मद्रास	चेन्नई	10.2	3.6	2.8
10	आईआईटी	दिल्ली	10.0	3.6	2.8

शीर्ष 100 में शामिल सरकारी संस्थानों के लिए निवेश पर रिटर्न की गणना की गई है।

शीर्ष 10 निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में निवेश पर रिटर्न

क्रम	संस्थान का नाम	शहर	औसत वेतन (लाख में)	फीस (लाख में)	निवेश पर रिटर्न
1	पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी	कोयंबटूर	4.6	0.9	5.4
2	बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजी.	बेंगलुरु	4.5	0.9	4.9
3	श्री एम विश्वेश्वरय्या इंस्टी. ऑफ टेक.	बेंगलुरु	5.5	1.3	4.2
4	बिट्स	पिलानी	8.7	2.2	4.0
5	कॉलेज ऑफ इंजी. गिंडी	चेन्नई	3.6	0.9	3.8
6	बीवीयू कॉलेज ऑफ इंजी.	पुणे	6.7	1.8	3.7
7	एमआईटी कॉलेज ऑफ इंजी.	पुणे	3.2	1.0	3.3
8	पीईएस कॉलेज ऑफ इंजी.	मंड्या	2.5	0.8	3.3
9	बीएमएस इंस्टी. टेक्नोलॉजी एंड मैने.	बेंगलुरु	4.3	1.3	3.3
10	आर्मी इंस्टी. ऑफ टेक्नोलॉजी	पुणे	9.0	3.6	2.5

शीर्ष 100 में शामिल निजी संस्थानों के लिए निवेश पर रिटर्न की गणना की गई है।

शीर्ष 10 छात्र/शिक्षक अनुपात

क्रम	संस्थान का नाम	शहर	छात्र शिक्षक अनुपात
1	कुप्पम इंजीनियरिंग कॉलेज	कुप्पम	0.82
2	आईआईटी	कानपुर	2.62
3	आईआईटी बॉम्बे	मुंबई	4.69
4	आईआईटी मद्रास	चेन्नई	6.08
5	आईआईटी	दिल्ली	7.21
6	एसवीकेएम्स एनएमआईएमएस	मुंबई	8.16
7	बीआईटी मेसरा	रांची	10.45
8	एमआईटी कॉलेज ऑफ इंजी.	पुणे	11.05
9	आईआईआईटी	हैदराबाद	11.38
10	कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	पुणे	12.09

शीर्ष 10 शैक्षणिक उत्कृष्टता के आधार पर

क्रम	संस्थान का नाम	शहर	अंक (214)	कुल अंक ([illegible])
1	आईआईटी	कानपुर	196.4	910.9
2	आईआईटी	दिल्ली	196.1	938.8
3	आईआईटी मद्रास	चेन्नई	193.1	912.8
4	आईआईटी	खड़गपुर	192.2	919.0
5	आईआईटी बॉम्बे	मुंबई	188.1	919.3
6	आईआईटी*	गुवाहाटी	185.8	838.7
7	बिट्स	पिलानी	181.6	872.4
8	आईएसएम	धनबाद	178.8	884.0
9	एनआईटी त्रिचि*	तिरुचिरापल्ली	171.5	702.1
10	एनआईटी सूरतकल	मंगलौर	169.7	804.1

अनुपात की गणना शीर्ष 100 संस्थानों द्वारा मुहैया आंकड़ों पर की गई है। [illegible] पहुंचने के लिए [illegible] से चार गुना किया गया है।
[illegible] संस्थानों द्वारा [illegible] के जवाब में दिए गए आंकड़ों पर आधारित है।

शीर्ष 10 चयन प्रक्रिया के आधार पर

	संस्थान का नाम	शहर	अंक (227)	कुल अंक
1	आईआईटी	खड़गपुर	214.0	919.0
2	आईआईटी	दिल्ली	212.0	938.8
3	आईआईटी बॉम्बे	मुंबई	210.0	919.3
4	आईआईटी मद्रास	चेन्नई	208.0	912.8
5	आईआईटी	कानपुर	208.0	910.9
6	कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुइंडी	चेन्नई	207.8	732.0
7	एनआईटी*	वारंगल	185.0	764.2
8	बिट्स	पिलानी	184.0	872.4
9	एनआईटी, त्रिची*	तिरुचिरापल्ली	182.1	804.1
10	आईआईटी*	गुवाहाटी	179.1	838.7

शीर्ष 10 रोजगार के आधार पर

	संस्थान का नाम	शहर	अंक (180)	कुल अंक
1	आईआईटी	दिल्ली	174.0	938.8
2	बिट्स	पिलानी	165.7	872.4
3	आईआईटी बॉम्बे	मुंबई	161.7	919.3
4	आईआईटी	कानपुर	161.5	910.9
5	आईआईटी	खड़गपुर	159.3	919.0
6	आईआईटी मद्रास	चेन्नई	159.0	912.8
7	एनएसआईटी*	दिल्ली	154.4	758.2
8	दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी	दिल्ली	153.0	717.7
9	आईआईटी*	गुवाहाटी	147.2	838.7
10	एनआईटी सूरतकल	मंगलोर	146.1	803.5

शीर्ष 10 औद्योगिक अंतरविकास के आधार पर

	संस्थान का नाम	शहर	अंक	कुल अंक
1	आईआईटी	दिल्ली	163.0	938.8
2	आईआईटी, बॉम्बे	मुंबई	160.0	919.3
3	आईआईटी	खड़गपुर	157.0	919.0
4	बिट्स	पिलानी	156.6	872.4
5	आईआईटी, मद्रास	चेन्नई	156.0	912.8
6	आईआईटी	कानपुर	154.0	910.9
7	एनआईटी, त्रिची*	तिरुचिरापल्ली	148.2	804.1
8	वीआईटी यूनिवर्सिटी	वेल्लोर	147.0	710.8
9	आईआईटी*	गुवाहाटी	145.4	838.7
10	यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग	चंडीगढ़	137.8	698.5

शीर्ष 10 अधोसंरचना के आधार पर

	संस्थान का नाम	शहर	अंक (200)	कुल अंक
1	आईआईटी, बॉम्बे	मुंबई	199.6	919.3
2	आईआईटी, मद्रास	चेन्नई	196.6	912.8
3	आईआईटी	खड़गपुर	196.5	919.0
4	आईआईटी	दिल्ली	193.7	938.8
5	आईआईटी	कानपुर	191.0	910.9
6	बिट्स	पिलानी	184.6	872.4
7	आईआईटी*	गुवाहाटी	181.2	838.7
8	एनआईटी सूरतकल	मंगलोर	176.2	803.5
9	वीएनआईटी	नागपुर	168.5	683.3
10	पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी	कोयंबटूर	164.4	715.0

शीर्ष 10 सरकारी कॉलेज

	संस्थान का नाम	शहर	कुल अंक
1	आईआईटी	दिल्ली	938.8
2	आईआईटी, बॉम्बे	मुंबई	919.3
3	आईआईटी	खड़गपुर	919.0
4	आईआईटी, मद्रास	चेन्नई	912.8
5	आईआईटी	कानपुर	910.9
6	आईआईटी*	गुवाहाटी	838.7
7	एनआईटी, त्रिची*	तिरुचिरापल्ली	804.1
8	एनआईटी सूरतकल	मंगलोर	803.5
9	एनआईटी*	वारंगल	764.2
10	एनएसआईटी*	दिल्ली	758.2

शीर्ष 10 निजी कॉलेज

	संस्थान का नाम	शहर	कुल अंक
1	बिट्स	पिलानी	872.4
2	कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुइंडी	चेन्नई	760.8
3	आईआईआईटी	हैदराबाद	731.6
4	पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी	कोयंबटूर	715.0
5	एमआईटी	मणिपाल	711.7
6	वीआईटी यूनिवर्सिटी	वेल्लोर	710.8
7	बीआईटी, मेसरा	रांची	704.6
8	यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग	चंडीगढ़	698.5
9	थापर यूनिवर्सिटी	पटियाला	687.5
10	इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नीरमा यूनिवर्सिटी	अहमदाबाद	630.0

औसत वेतन (लाख रुपये में)

महत्वपूर्ण जानकारियां: इंजीनियरिंग

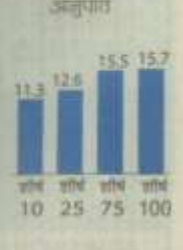

OUT LOOK ND 18 JULY 2016 P-66

भारत के शीर्ष प्रोफेशनल कॉलेज

रैंकिंग

शीर्ष 3 क्षेत्र वार

उत्तर

क्रम	
1	आईआईटी, दिल्ली
2	आईआईटी, कानपुर
3	एनएसआईटी, दिल्ली

पश्चिम

क्रम	
1	आईआईटी, बॉम्बे
2	बिट्स, पिलानी
3	कॉलेज ऑफ. इं., पुणे

दक्षिण

क्रम	
1	आईआईटी, मद्रास
2	एनआईटी, तिरुचिरापल्ली
3	एनआईटी, सुरतकल

पूर्व

क्रम	
1	आईआईटी, खड़गपुर
2	आईआईटी, गुवाहाटी
3	बीआईटी, मेसरा, रांची

शीर्ष 10 हर क्षेत्र में इंजीनियरिंग सीटों की संख्या

क्षेत्र	कुल सीट	औसत सीट/कॉलेज
उत्तर	31,124	798
पश्चिम	14,131	614
दक्षिण	85,512	1018
पूर्व	12,181	812

शीर्ष 3 महानगर वार

दिल्ली- एनसीआर

क्रम	
1	आईआईटी
2	एनएसआईटी
3	डीटीयू

Mumbai & Pune

क्रम	
1	आईआईटी बॉम्बे
2	कॉलेज ऑफ इंजी
3	डीजे सांघवी

चेन्नई

क्रम	
1	आईआईटी, मद्रास
2	कॉलेज ऑफ इंजी
3	एसआरएम इंजी. कॉ.

हैदराबाद

क्रम	
1	आईआईआईटी
2	यूसीई
3	सीबीआईटी

बेंगलूरु

क्रम	
1	बीएमएस-आईटी
2	पीईएस यूनि.
3	बीएमएस

इंजीनियरिंग में शीर्ष 20 रोजगार प्रदाता

1 टीसीएस
2 इन्फोसिस
3 विप्रो
4 टेक महिंद्रा
5 एल एंड टी इन्फोटेक
6 अमेजॉन
7 कॉग्निजेंट
8 केपजेमिनी
9 परसीस्टेंट
10 आईबीएम
11 एसेंचर
12 माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पो.
13 एचसीएल
14 ओरेकल
15 डिलॉयट
16 सीएससी इंडिया
17 टाटा
18 आईगेट ग्लोबल सोल्यु.
19 एडोब
20 गोल्डमेन सैक

पिछले तीन साल में शीर्ष कैंपसों में कंपनियों के दौरों की संख्या पर आधारित

OUT LOOK ND 18 JULY 2016 P-72

मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी एनआईआरएफ, 2016 की रैंकिंग जारी करते हुए।

सरकारी रैंकिंग पर सवाल

अरिंदम मुखर्जी

प्रोफेशनल कॉलेजों की पहली 'आधिकारिक' रैंकिंग खराब प्लानिंग और उसके बुरे क्रियान्वयन का शिकार हो गई

भारत में हर वर्ष करीब 15 लाख छात्र इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षा में शामिल होते हैं। इन छात्रों के लिए कॉलेजों की रैंकिंग बेहद महत्वपूर्ण होती है क्योंकि इनसे उन्हें अपनी जानकारी आधारित पसंद बनाने में मदद मिलती है। एक दशक से अधिक समय से *आउटलुक* प्रोफेशनल कॉलेजों की रैंकिंग जारी करता है जिन्हें बेहद उच्च गुणवत्ता का माना जाता है। इन रैंकिंग के महत्व को देखते हुए सभी लोगों ने मोदी सरकार के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें सरकार ने इंजीनियरिंग कॉलेजों की रैंकिंग जारी करने की घोषणा की थी। आखिरकार इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट या ऐसे अन्य क्षेत्रों के संस्थानों की बेहतर रैंकिंग जारी होने से सभी का फायदा ही है। मगर कॉलेजों की एक 'आधिकारिक' समग्र रैंकिंग सामने लाने का केंद्र सरकार का प्रयास जिसके तहत केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) प्रस्तुत किया है, बेहद निराशाजनक है। शिक्षा और अकादमिक जगत से जुड़े तकरीबन हर पक्ष ने इसपर सवाल उठाए हैं और इसकी आलोचना की है। एनआईआरएफ द्वारा किए गए सभी रैंकिंग में असंगति है। यह हालत तब है जबकि निजी संस्थान जो खुद कॉलेजों की रैंकिंग करते हैं मसलन *इंडिया टुडे ग्रुप*, *हिंदुस्तान टाइम्स*, *कैरियर्स 360* और *आउटलुक*, के मुकाबले सरकार कॉलेजों से डाटा हासिल करने की दृष्टि से ज्यादा बेहतर स्थिति में है। एनआईआरएफ खराब प्लानिंग और बुरे क्रियान्वयन का एक बड़ा उदाहरण है। यही कहा जा सकता है कि इसका परिणाम अतार्किक और सरकारी संस्थाओं के पक्ष में झुका हुआ है। इस रैंकिंग में कई बेहतरीन सरकारी और निजी संस्थान जगह नहीं बना पाए।

इंजीनियरिंग से शुरू करते हैं। सरकारी रैंकिंग में शुरू के पांच स्थानों पर पुराने आईआईटी हैं जिनसे कोई शिकायत नहीं है मगर बाद में बेहद प्रतिष्ठित आईआईटी बीएचयू, बनारस से ऊपर बिलकुल नए आईआईटी रोपड़, हैदराबाद और पटना को जगह दी गई है जबकि आईआईटी बीएचयू को कहीं ऊपर होना चाहिए था। यही नहीं, रैंकिंग में नए-पुराने सारे आईआईटी को अनिवार्य रूप से शीर्ष 25 में जगह

SHRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY

मिल गई है जबकि दूसरी रैंकिंग में ऐसा नहीं होता।

ज्यादा आश्चर्यजनक यह है कि कई नए आईआईटी को कहीं ज्यादा प्रतिष्ठित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) से भी ऊपर रैंकिंग दी गई है। सिर्फ तीन एनआईटी त्रिचि(रैंक12) राउरकेला (19) और सूरतकल (22) ही शीर्ष 25 में जगह बना सके हैं। भले ही इन तीनों को शीर्ष 25 में जगह मिली हो मगर इनकी रैंकिंग ने कई सवालों को जन्म दिया है क्योंकि ये तीनों संस्थान आउटलुक समेत सभी रैंकिंग में ज्यादा ऊंची रैंकिंग हासिल करते रहे हैं। पिछले वर्ष की आउटलुक रैंकिंग में एनआईटी सूरतकल नौवें पायदान पर था। देखा जाए तो सरकारी रैंकिंग में कोई भी एनआईटी शीर्ष 10 में शामिल नहीं है। निजी कॉलेजों की बात करें तो सरकारी रैंकिंग में बिट्स पिलानी का इसमें शामिल नहीं होना सबसे बड़ी चूक है जिसे शीर्ष 25 में जगह नहीं मिली है। निजी कॉलेजों में सबसे शीर्ष रैंकिंग वीआईटी, वेल्लोर (रैंक 13) को दी गई है जबकि अन्य संस्थाओं की रैंकिंग में तो वीआईटी, वेल्लोर को जगह भी नहीं मिल पाती।

ऐसी ही असंगति एनआईआरएफ की बिजनेस स्कूलों की रैंकिंग में भी देखने को मिलती है। जहां शीर्ष चार स्थानों पर पुराने आईआईएम काबिज हैं वहीं अपेक्षाकृत नए आईआईएम, उदयपुर को पांचवें स्थान पर रखा गया है और उसे पुराने और प्रतिष्ठित आईआईएम, कोझीकोड से ऊपर रखा गया है। यही नहीं, आईआईएम, इंदौर जो हर पैमाने पर आईआईएम, कोझीकोड के समकक्ष ही है, उसे आईआईएम, उदयपुर और आईएमआई, दिल्ली से नीचे 10वें स्थान से संतोष करना पड़ा है जबकि इन दोनों की अपनी वर्तमान रैंकिंग के हकदार नहीं हैं। इसके साथ ही एस.पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, मुंबई को 16वीं रैंकिंग दी गई है, जबकि त्यागराजार स्कूल ऑफ मैनेजमेंट मदुरै, जो एस.पी. जैन के मुकाबले कहीं नहीं ठहरता, को 15वीं रैंकिंग दी गई है। इंजीनियरिंग कॉलेजों की रैंकिंग की ही तर्ज पर बिजनेस स्कूलों की रैंकिंग में भी मुख्य जोर सभी आईआईएम संस्थानों को शीर्ष 25 में शामिल करने पर है जिसमें बिलकुल नए आईआईएम भी शामिल हैं। दूसरी ओर दूसरी अन्य सभी रैंकिंग में शामिल होने वाले 10-15 बेहतरीन बिजनेस स्कूलों को सरकारी रैंकिंग में जगह ही नहीं मिल पाई है। इस सूची से बाहर होने वालों में आईएमटी, गाजियाबाद, एफएमएस, दिल्ली, एनएमआईएमएस मुंबई, सिंबायोसिस पुणे, जमनालाल बजाज मुंबई, एक्सआईएम भुवनेश्वर और आईआरएमए आणंद प्रमुख हैं।

इन इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट संस्थानों का इस सूची से बाहर होना सिर्फ इसलिए अस्वीकार्य नहीं है कि सरकार के पास निजी सर्वे संस्थानों से बेहतर रिसोर्स और शक्ति है। एचआरडी मंत्रालय कमोबेश उसी तरीके से सर्वे कर रही है जो तरीका आउटलुक समेत दूसरे संस्थान अपनाते हैं। इसे देखते हुए रैंकिंग में इतना अंतर तार्किक नहीं है। अगर खुलकर कहें तो

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एनआईआरएफ रैंकिंग बनाम आउटलुक रैंकिंग

इंजीनियरिंग रैंकिंग

	आउटलुक 2016	एनआईआरएफ रैंकिंग 2016
1	आईआईटी दिल्ली	आईआईटी मद्रास
2	आईआईआईटी बॉम्बे	आईआईटी बॉम्बे
3	आईआईटी खड़गपुर	आईआईटी खड़गपुर
4	आईआईटी मद्रास	आईआईटी दिल्ली
5	आईआईटी कानपुर	आईआईटी कानपुर
6	बिट्स पिलानी	आईआईटी रुड़की
7	आईआईटी गुवाहाटी	आईआईटी हैदराबाद
8	एनआईटी त्रिचि	आईआईटी गांधीनगर
9	एनआईटी सूरतकल	आईआईटी रोपड़
10	एनआईटी वारंगल	आईआईटी पटना
11	कॉलेज ऑफ इंजी., गुइंडी	आईआईटी गुवाहाटी
12	एनएसआईटी, दिल्ली	एनआईटी त्रिचि
13	डीटीयू दिल्ली	वीआईटी वेल्लोर
14	कॉलेज ऑफ पुणे	आईआईटी बीएचयू वाराणसी
15	आईआईआईटी हैदराबाद	एमवीएनआईटी भोपाल
16	पीएसजी कॉलेज कोयंबटूर	आईआईटी इंदौर
17	आईआईआईटी इलाहाबाद	बीआईटी रांची
18	एमआईटी मणिपाल	वीएनआईटी नागपुर
19	वीआईटी यूनि. वेल्लोर	एनआईटी राउरकेला
20	बीआईटी रांची	आईआईटी मंडी
21	आईएसएमयू धनबाद	कॉलेज ऑफ इंजी पुणे
22	यूनि.इंस्टी.ऑफ इंजी. चंडीगढ़	एनआईटी कर्नाटक सूरतकल
23	थापर यूनि. पटियाला	एमएनएनआईटी इलाहाबाद
24	वीएनआईटी नागपुर	पीएसजी कोयंबटूर
25	एनआईई मैसूर	आईआईटी जोधपुर

बी-स्कूल रैंकिंग

	आउटलुक 2016	एनआईआरएफ रैंकिंग 2016
1	आईआईएम अहमदाबाद	आईआईएम बैंगलुरु
2	आईआईएम कोलकाता	आईआईएम अहमदाबाद
3	एक्सएलआरआई जमशे.	आईआईएम कोलकाता
4	एफएमएस दिल्ली	आईआईएम लखनऊ
5	आईआईएम कोझीकोड	आईआईएम उदयपुर
6	एस.पी. जैन मुंबई	आईआईएम कोझीकोड
7	आईआईएफटी दिल्ली	आईएमआई दिल्ली
8	सिंबायोसिस आईबीएम पुणे	आईआईएफएम भोपाल
9	एनआईटीआईई मुंबई	डीएमएस आईआईटी का.
10	एनएमआईएमएस मुंबई	आईआईएम इंदौर
11	एक्सआईएम भुवनेश्वर	एमडीआई गुड़गांव
12	एमडीआई गुड़गांव	आईएमआई कोलकाता
13	आईएमआई दिल्ली	एक्सएलआरआई जमशे.
14	सिंबायोसिस एमएमएच पुणे	आईआईएम त्रिची
15	आईआईएम शिलांग	त्यागराजार मदुरै
16	टीएपीएमआई मणिपाल	एस.पी. जैन मुंबई
17	डीएमएस आईआईटी दिल्ली	वीआईटी वेल्लोर
18	बिट्स पिलानी	आईआईएम रायपुर
19	आईएमटी गाजियाबाद	आईआईएम रोहतक
20	डीएमएस आईआईटी मद्रास	आरजी आईआईएम शि.
21	मैनेज हैदराबाद	आईआईएम काशीपुर
22	गोवा इंस्टी. ऑफ मैन. गोवा	आईआईआईआईटी ग्वा.
23	आईआरएमए आणंद	फोर स्कूल दिल्ली
24	सायडेनहम मुंबई	[illegible] दिल्ली
25	डीएमएस एनआईटी त्रिचि	बीआईटी रांची

नतीजों में इतना अंतर तभी हो सकता है जबकि सरकार की ओर से यह निर्देश हों कि कुछ संस्थानों को बेहतर दिखाना है। इससे यह सवाल उठता है कि सरकार किस तरह डाटा जमा करती है और नतीजों में किस तरह तब्दीली करती है।

हालांकि कई लोगों को उम्मीद है कि एनआईआरएफ रैंकिंग से कॉलेजों को अपना प्रदर्शन सुधारने में मदद मिलेगी। बी.जे. मेडिकल कॉलेज पुणे के उप डीन डॉ. ए.एन. कोवले कहते हैं, 'यदि एक कॉलेज को अच्छी रैंकिंग मिलती है तो दूसरे उससे प्रेरित होकर बेहतर करेंगे। इससे कॉलेजों के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना आएगी और जब सरकार कॉलेजों के प्रदर्शन की समीक्षा करेगी तो उन कॉलेजों को मदद मिल पाएगी जिन्हें इसकी जरूरत है।' एनआईआरएफ की रैंकिंग में इस वर्ष मेडिकल कॉलेजों को नहीं शामिल किया है मगर अगले वर्ष उन्हें भी शामिल किया जा सकता है। दिलचस्प तथ्य यह है कि एनआईआरएफ के गठन से पहले सरकार ने कुछ अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्थाओं से संपर्क किया था ताकि वे अपनी भारत आधारित रैंकिंग व्यवस्था बनाकर यहां के शैक्षिक संस्थाओं की श्रेणी बनाएं। सरकार की मंशा थी कि इसी बहाने भारतीय संस्थान अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग प्लेटफॉर्म पर आ जाएंगे। मगर इन विदेशी संस्थाओं ने भारतीय कॉलेजों की रैंकिंग से इनकार कर दिया और तब सरकार ने एनआईआरएफ का गठन किया। भारतीय विद्यापीठ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे के प्राचार्य ए.आर. भालेराव के अनुसार, 'सरकार ने पहले टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) और क्यूएस रैंकिंग्स से संपर्क किया था जो कि अपनी प्रतिष्ठित वैश्विक कॉलेज रैंकिंग के लिए जाने जाते हैं और उनसे अनुरोध किया था कि अपनी रैंकिंग में भारत सापेक्ष पारामीटर भी शामिल कर लें मगर उन्होंने मना कर दिया। इसलिए सरकार ने एनआईआरएफ की शुरुआत की जो कि भारतीय कॉलेजों की समीक्षा करने का एक अच्छा कदम है।' कई लोगों को लगता है कि एनआईआरएफ रैंकिंग से सरकार को यह तय करने में मदद मिल सकती है कि प्रदर्शन के आधार पर किस कॉलेज को वित्तीय मदद की जरूरत है। आईआईटी के एक वरिष्ठ प्राध्यापक के अनुसार इससे सरकार को सटीक कदम उठाने में मदद मिलेगी। नाम नहीं छापने की शर्त पर उन्होंने कहा, 'बड़ी संख्या में ऐसे कॉलेज हैं जो भारी-भरकम सरकारी मदद के बावजूद चार्ट में नीचे हैं। वे अपनी फैकल्टी या अन्य सुविधाओं को बढ़ाने पर कम ध्यान देते हैं। अब ऐसे कॉलेज सामने आ जाएंगे। एक बार आपने उनकी वित्तीय मदद को उनके प्रदर्शन से जोड़ दिया तो उन्हें सुधार करने के लिए मजबूर होना ही पड़ेगा।' हालांकि यहां और भी कई लोग हैं जो मानते हैं कि एनआईआरएफ रैंकिंग को दुरुस्त करने और उसे कॉलेजों के तुलनात्मक प्रदर्शन के आधार पर बनाने और तार्किक रूप देने के लिए बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है।